01 APRIL 2021

PT CARD

संस्कृति IAS

वैश्विक लैंगिक अंतराल रिपोर्ट (Global Gender Gap Report)

- **विश्व आर्थिक मंच द्वारा 156 देशों के लिये** जारी 'वैश्विक लैंगिक अंतराल रिपोर्ट 2021' में भारत पिछले वर्ष की तुलना में **28 स्थानों की गिरावट के साथ 140वें** स्थान पर पहुँच गया है। **गत वर्ष** भारत **112वें स्थान पर** था।
- इस रिपोर्ट में **शीर्ष तीन देश क्रमशः आइसलैंड, फ़िनलैंड और नॉर्वे** हैं, जबकि **निम्नतम रैंकिंग वाले तीन देश क्रमशः अफगानिस्तान (156), यमन (155) और इराक (154)** हैं। भारत के पड़ोसी देशों में बांग्लादेश (65), नेपाल, श्रीलंका, मालदीव और भूटान की स्थिति भारत से बेहतर है। ब्रिक्स देशों में दक्षिण अफ्रीका 18वें और चीन 107वें स्थान पर है।
- रिपोर्ट के अनुसार, **मध्य एशिया और उत्तरी अफ्रीका के बाद दक्षिण-एशिया क्षेत्र का प्रदर्शन सबसे ख़राब** रहा है। दक्षिण-एशिया में भारत का प्रदर्शन पाकिस्तान (153) और अफगानिस्तान के बाद सबसे खराब रहा है।
- इस रिपोर्ट में **चार क्षेत्रों के आधार पर लैंगिक अंतराल का मापन** किया जाता है– आर्थिक भागीदारी और अवसर, शैक्षणिक उपलब्धियाँ, स्वास्थ्य एवं उत्तरजीविता तथा राजनीतिक सशक्तीकरण।
- **विश्व आर्थिक मंच द्वारा जारी** की जाने वाली **अन्य रिपोर्ट– वैश्विक प्रतिस्पर्धा रिपोर्ट**, वैश्विक तकनीकी गवर्नेंस रिपोर्ट, **वैश्विक जोखिम रिपोर्ट**, वैश्विक यात्रा एवं पर्यटन प्रतिस्पर्धा रिपोर्ट, द फ्यूचर ऑफ़ जॉब रिपोर्ट और **ऊर्जा संक्रमण सूचकांक**।

प्रथम एवं द्वितीय बैच फुल | तृतीय बैच में नामांकन जारी | 7428085757/58

02 APRIL 2021

PT CARD

संस्कृति IAS

हाइपनिया इंडिका तथा हाइपनिया बुलैटा
(Hypnea Indica and Hypnea Bullata)

- भटिंडा स्थित पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय के **समुद्री जीवविज्ञानियों ने समुद्री शैवाल की दो नई प्रजातियों 'हाइपनिया इंडिका' तथा 'हाइपनिया बुलैटा' की खोज** की है। ये दोनों समुद्री शैवाल हाइपनिया वर्ग या लाल समुद्री शैवाल से संबंधित हैं।

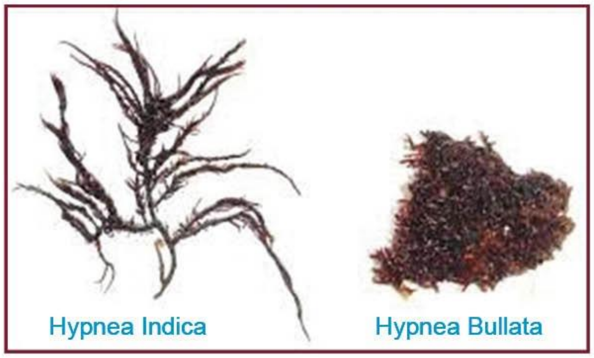

- हाइपनिया इंडिका की खोज तमिलनाडु के कन्याकुमारी तथा गुजरात के पाटन एवं शिवराजपुर से की गई, जबकि हाइपनिया बुलैटा की खोज कन्याकुमारी तथा दीव से की गई।
- **हाइपनिया वर्ग में कैल्केरियास, इरेक्ट तथा ब्रांकेड लाल समुद्री शैवाल को शामिल** किया जाता है। इन दोनों प्रजातियों का **प्रयोग जेली और आइसक्रीम उत्पादन में संभावित** रूप से कच्चे माल के रूप में हो सकता है। दो नई प्रजातियों को शामिल करने के पश्चात् इन प्रजातियों की कुल संख्या 63 हो जाएगी।
- ये तट के समीप **अंतर्ज्वारीय क्षेत्रों में विकसित होते हैं**। ये वे क्षेत्र हैं जो उच्च ज्वार के दौरान जलमग्न तथा निम्न ज्वार के समय जलमुक्त हो जाते हैं।

संस्कृति IAS

प्रथम एवं द्वितीय बैच फुल | तृतीय बैच में नामांकन जारी | 7428085757/58

03 APRIL 2021

PT CARD

संस्कृति IAS

श्रम ब्यूरो के अखिल भारतीय सर्वेक्षण (All India Survey of Labour Bureau)

- 'श्रम ब्यूरो' द्वारा पाँच प्रमुख अखिल भारतीय सर्वेक्षण कराए जा रहे हैं। इनके लिये सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम 'ब्रॉडकास्ट इंजीनियरिंग कन्सल्टेंट्स इंडिया लिमिटेड' द्वारा तकनीकी सहयोग प्रदान किया जाएगा। विदित है कि श्रम ब्यूरो श्रम आँकड़ों के संकलन, संग्रहण, विश्लेषण और प्रसार का कार्य करता है।
- ये पाँच सर्वेक्षण हैं–
  - **प्रवासी श्रमिकों का अखिल भारतीय सर्वेक्षण–** इसके अंतर्गत श्रमिकों की अनुमानित संख्या, रोज़गार संबंधी प्रवासन, कार्य करने तथा रहने की दशाएँ और कोविड-19 का उनके कार्य-क्षेत्र पर प्रभाव का अध्ययन किया जाएगा।
  - **अखिल भारतीय त्रैमासिक स्थापना आधारित रोज़गार सर्वेक्षण–** इसका उद्देश्य गैर-कृषि क्षेत्र में संलग्न समूहों के लिये क्रमिक तिमाहियों में रोज़गार की स्थिति में सापेक्ष परिवर्तन को मापना है। ये परिवर्तन अर्थव्यवस्था के आठ कोर क्षेत्रों को कवर करेंगे।
  - **घरेलू कामगारों पर अखिल भारतीय सर्वेक्षण–** इसके तहत घरेलू कामगारों तथा उन्हें रोज़गार देने वाले परिवारों की औसत संख्या की गणना और कामगारों के साथ घरों में होने वाली घटनाओं की जानकारी एकत्र की जाएगी।
  - **परिवहन क्षेत्र में रोज़गार सृजन पर अखिल भारतीय सर्वेक्षण–** इसका उद्देश्य देश में परिवहन क्षेत्र में सृजित रोज़गार का आकलन करना है।
  - **पेशेवरों द्वारा रोज़गार सृजन का अखिल भारतीय सर्वेक्षण–** इसका उद्देश्य पेशेवरों की कुल संख्या का आकलन तथा उनके द्वारा रोज़गार सृजन से संबंधित डाटा एकत्रित करना है।

संस्कृति IAS

प्रथम एवं द्वितीय बैच फुल | तृतीय बैच में नामांकन जारी | 7428085757/58

05 APRIL 2021

PT CARD

संस्कृति IAS

संकल्प से सिद्धि (Sankalp Se Siddhi)

- 'ग्राम एवं डिजिटल कनेक्ट पहल' की सफलता के बाद जनजातीय कार्य मंत्रालय के अंतर्गत ट्रायफेड ने 'संकल्प से सिद्धि' ग्राम एवं डिजिटल कनेक्ट मुहिम की शुरुआत की है। 100 दिनों की यह पहल 1 अप्रैल, 2021 से आरंभ की गई।
- इस अभियान के अंतर्गत 150 दलों का गठन किया जाएगा तथा प्रत्येक दल में 10 व्यक्तियों को शामिल किया जाएगा। प्रत्येक टीम 10 गाँवों का दौरा करेंगी जिससे 100 दिनों में देशभर के 1500 गाँवों को कवर किया जाएगा।
- ये दल ट्राइफूड के लिये संभावित 'वन धन विकास केंद्रों' तथा वृहत उद्योगों हेतु स्फूर्ति (Scheme of Fund for Regeneration of Traditional Industries) इकाइयों व स्थानों की पहचान करेंगे। इस मुहिम का मुख्य उद्देश्य इन गाँवों में 'वन धन विकास केंद्रों' को सक्रिय बनाना है।
- ये दल ट्राइब्स इंडिया नेटवर्क के माध्यम से आदिवासी कलाकारों तथा अन्य समूहों की बृहत बाज़ारों तक पहुँच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उनकी पहचान कर उन्हें आपूर्तिकर्ताओं के रूप में सूचीबद्ध करेंगे।
- 'ट्राइफूड योजना' खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय, जनजातीय कार्य मंत्रालय तथा ट्रायफेड की एक संयुक्त पहल है। इसका उद्देश्य आदिवासी वन संग्रहकर्ताओं द्वारा एकत्रित लघु वन उपज के बेहतर उपयोग तथा मूल्य संवर्द्धन के माध्यम से आदिवासियों की आय में वृद्धि करना है।

संस्कृति IAS

प्रथम एवं द्वितीय बैच फुल | तृतीय बैच में नामांकन जारी | 7428085757/58

06 APRIL 2021

PT CARD

संस्कृति IAS

एकीकृत स्वास्थ्य सूचना मंच
(Integrated Health Information Platform)

- केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने 'एकीकृत स्वास्थ्य सूचना मंच' (Integrated Health Information Platform – IHIP) की शुरुआत की है। यह वर्तमान में प्रयोग किये जा रहे **'एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम' (IDSP) की अगली पीढ़ी का संस्करण** है।
- यह **विश्व का सबसे बड़ा ऑनलाइन रोग निगरानी मंच** है। भारत इस तरह की उन्नत डिजिटल निगरानी प्रणाली अपनाने वाला विश्व का पहला देश है। इस **मंच की सफलता मुख्यतः राज्यों द्वारा साझा किये गए डाटा की गुणवत्ता पर निर्भर** करेगी।
- आई.एच.आई.पी. के नए संस्करण में भारत के रोग निगरानी कार्यक्रम के लिये डाटा इंट्री और प्रबंधन का कार्य शामिल होगा। **पूर्व में 18 की तुलना में अब 33 रोगों की निगरानी** के अलावा यह डिजिटल मोड में वास्तविक समय में डाटा की उपलब्धता को सुनिश्चित करने का प्रयास करेगा।
- आई.एच.आई.पी. वास्तविक समय में केस आधारित जानकारी, एकीकृत विश्लेषणात्मक और उन्नत दृश्य क्षमता के लिये विकसित स्वास्थ्य सूचना प्रणाली प्रदान करेगा। इसके अलावा, इससे इलेक्ट्रॉनिक रूप से किसी बीमारी के प्रकोप की जाँच की शुरुआत और निगरानी की जा सकती है, जो किसी महामारी से प्रारंभ में ही निपटने में सहायक होगा।

प्रथम एवं द्वितीय बैच फुल | तृतीय बैच में नामांकन जारी | 7428085757/58

07 APRIL 2021

PT CARD

संस्कृति IAS

इंटरनेशनल वर्चुअल इलेक्शन विजिटर्स प्रोग्राम
(International Virtual Election Visitors Programme – IVEP)

- भारतीय निर्वाचन आयोग ने असम, केरल, पुदुचेरी, तमिलनाडु तथा पश्चिम बंगाल में आयोजित विधानसभा चुनावों के दौरान 5-6 अप्रैल, 2021 को दो-दिवसीय 'इंटरनेशनल वर्चुअल इलेक्शन विज़िटर्स प्रोग्राम' 2021 की मेज़बानी की।
- इसके तहत प्रतिनिधियों को चुनाव संचालन, मतदान केंद्र की व्यवस्था तथा दिव्यांगजन व वरिष्ठ नागरिकों की सुविधा आदि से संबंधित जानकारी प्रदान करने के लिये मतदान केंद्रों के आभासी दर्शन की सुविधा उपलब्ध करायी गई।
- इसका उद्देश्य विभिन्न हितधारकों एवं प्रतिनिधियों को एक साथ वार्ता का अवसर प्रदान कर महामारी के समय में स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी, बेहतर तथा सुरक्षित चुनाव कराना है। कोविड-19 के कारण निर्वाचन प्रक्रिया विश्वभर में अप्रत्याशित रूप से बाधित हुई है।
- उल्लेखनीय है कि भारतीय निर्वाचन आयोग विश्व के निर्वाचन प्रबंधन निकायों के साथ सहयोग बढ़ाने की दिशा में बेहद सक्रिय रहा है। आई.ई.वी.पी. 2021 में ऑस्ट्रेलिया, अफगानिस्तान, बांग्लादेश व भूटान सहित 26 देशों के चुनाव प्रबंधन निकायों/संगठनों एवं 3 अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के 106 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

संस्कृति IAS

प्रथम एवं द्वितीय बैच फुल | तृतीय बैच में नामांकन जारी | 7428085757/58

08 APRIL
2021

PT CARD

संस्कृति IAS

मधुक्रांति पोर्टल तथा हनी कॉर्नर
(Madhukranti Portal and Honey Corners)

- हाल ही में, केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री ने 'राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन महासंघ' (NAFED) के 'मधुक्रांति पोर्टल' और 'हनी कॉर्नर' का शुभारंभ किया है। यह पोर्टल 'कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय' तथा 'राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन एवं हनी मिशन' के अंतर्गत गठित 'राष्ट्रीय मधुमक्खी बोर्ड' (NBB) की एक पहल है।
- इस पोर्टल को शहद व अन्य मधु उत्पादों को ऑनलाइन उपलब्ध कराने तथा वैश्विक मानकों पर भारतीय शहद की शुद्धता सिद्ध करने के उदेश्य से विकसित किया गया है। यह शहद की गुणवत्ता एवं मिलावट के स्रोत की जाँच करने में भी सहायक होगा।
- शहद उत्पादन को बढ़ावा देने के लिये छोटे मधुमक्खी पालकों को 'कृषक उत्पादक संगठन' (FPO) में शामिल किया जाएगा। विदित है कि एफ.पी.ओ. को विपणन सहायता उपलब्ध कराने हेतु नैफेड द्वारा दिल्ली में 15 हनी कॉर्नर विकसित किये गए हैं।
- 'राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन एवं हनी मिशन' (NBHM) कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा वर्ष 2017 में शुरू की गई एक केंद्रीय योजना है। इसका उद्देश्य मधुमक्खी पालन को बढ़ावा देना, मीठी क्रांति के लक्ष्य को प्राप्त करना, किसानों की आय में वृद्धि करना, रोज़गार सृजन और निर्यात में वृद्धि करना है।

संस्कृति IAS

प्रथम एवं द्वितीय बैच फुल | तृतीय बैच में नामांकन जारी | 7428085757/58

09 APRIL
2021

PT CARD

संस्कृति IAS

वन धन विकास योजना (Van Dhan Vikas Yojana)

- जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा जनजातीय समुदाय के लोगों को लाभान्वित करने के उद्देश्य से वर्ष 2018 में डॉ. भीमराव आंबेडकर के जन्मदिवस के अवसर पर 'वन धन विकास योजना' की शुरुआत की गई थी।
- इसका मुख्य उद्देश्य प्राथमिक स्तर पर लघु वनोपज (Minor Forest Produce – MFP) के मूल्य में वृद्धि करके, जनजातीय समुदाय की उद्यमशीलता को प्रोत्साहित करना है।
- वन धन विकास योजना में कारोबार का मुख्य आधार अपरिष्कृत (कच्ची) और प्रसंस्कृत गिलोय था। अब इसके अंतर्गत सफेद मूसली, जामुन, बहेड़ा, वायविडंग, मोरिंगा, नीम, आँवला और संतरे के छिलकों के चूर्ण जैसे उत्पादों को भी शामिल किया गया है।
- वन धन विकास योजना की सफलता ने जनजातीय समुदाय के हज़ारों लोगों को प्रेरित किया है। अभी तक ट्राइफेड (TRIFED) ने 12,000 लाभार्थियों एवं लगभग 39 वन धन विकास केंद्र को अतिरिक्त रूप से अपनी मंजूरी दी है।
- आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत ट्राइफेड द्वारा संचालित इन प्रयासों हेतु स्लोगन 'गो वोकल फॉर लोकल, गो ट्राइबल – मेरा वन, मेरा धन, मेरा उद्यम' को अपनाया गया है।

प्रथम एवं द्वितीय बैच फुल | तृतीय बैच में नामांकन जारी | 7428085757/58

10 APRIL 2021

PT CARD

संस्कृति IAS

चैफ प्रौद्योगिकी (Chaff Technology)

- चैफ प्रौद्योगिकी का प्रयोग **मिसाइलों को उनके लक्ष्य से भ्रमित करने के लिये** किया जाता है। इस प्रकार, यह तकनीक नौसैनिक पोतों को शत्रु के **रडार तथा रेडियो फ्रीक्वेंसी आधारित मिसाइल डिडेक्टर्स से सुरक्षा** प्रदान करती है। **डी.आर.डी.ओ. ने** मिसाइल हमलों से बचाव के लिये **आधुनिक चैफ प्रौद्योगिकी का विकास किया** है।
- आत्मरक्षा के लिये प्रयोग की जाने वाली चैफ एक इलेक्ट्रॉनिक प्रौद्योगिकी है। **चैफ रॉकेट वस्तुतः निष्क्रिय** होते हैं, इनको आसानी से नष्ट भी किया जा सकता है। **चैफ कई छोटे एल्यूमीनियम या जस्ता लेपित तंतुओं से निर्मित** होता है। किसी भी मिसाइल से खतरा महसूस होने पर उसको भ्रमित करने के लिये चैफ को विमानों से हवा में छोड़ दिया जाता है।
- डी.आर.डी.ओ. की **जोधपुर स्थित रक्षा प्रयोगशाला इकाई ने तीन प्रकार की चैफ तकनीक का विकास** किया है। ये इस प्रकार हैं– लंबी दूरी वाले चैफ रॉकेट (LRCR), मध्यम दूरी वाले चैफ रॉकेट (MRCR) और कम दूरी वाले चैफ रॉकेट (SRCR)। भारतीय नौसेना ने अरब सागर में इन तीनों प्रकार के रॉकेट्स का सफल प्रायोगिक परीक्षण किया है।
- स्वदेशी रूप से विकसित यह प्रौद्योगिकी इसलिये महत्त्वपूर्ण है क्योंकि इसमें रडार-निर्देशित मिसाइलों को उनके लक्ष्य और मार्ग से विचलित करने के लिये प्रलोभन के तौर पर बहुत कम मात्रा में चैफ रॉकेट को हवा में छोड़ने की आवश्यकता होती है।
- विदित है कि **मिसाइलों को भ्रमित करने के लिये विमानों में फ्लेयर्स का भी प्रयोग** किया जाता है, **जो ताप और ऊष्मा के आधार पर मिसाइलों को लक्ष्य से भटकाने में उपयुक्त** है। इसमें दहन के लिये अधिकांशतः मैग्नीशियम छर्रों को किसी विमान द्वारा छोड़ा जाता है। **जब ये फ्लेयर्स जलते हैं तो अत्यधिक मात्रा में अवरक्त प्रकाश का उत्सर्जन** करते हैं।

प्रथम एवं द्वितीय बैच फुल | तृतीय बैच में नामांकन जारी | 7428085757/58

12 APRIL 2021

PT CARD

संस्कृति IAS

रोबो-प्लांट्स (Robo-Plants)

- **सिंगापुर के वैज्ञानिक** 'रोबो-प्लांट' तकनीक पर कार्य कर रहे हैं, जिसे **'प्रकृति और प्रौद्योगिकी' का संगम** कहा जा रहा है। इसके लिये उन्होंने **'थर्मोजेल' का प्रयोग करके वीनस फ्लाईट्रैप** (एक कीटभक्षी पादप) **की सतह पर** फिल्म के सदृश्य अत्यंत सूक्ष्म व मुलायम **इलेक्ट्रोड लगाया** है। 'थर्मोजेल' कम तापमान पर तरल अवस्था में होते हैं, किंतु कमरे के तापमान पर जेल में बदल जाते है।
- **ये इलेक्ट्रोड पौधों** से प्राकृतिक रूप से मुक्त होने वाले **अत्यंत मंद विद्युत संकेतों का अधिक सटीकता से पता लगा सकते** है, जो भविष्य में प्रारंभिक अवस्था में ही फसलों में होने वाली **बीमारियों और** उनके **स्वास्थ्य का पता लगाने में सक्षम** होंगे। इस प्रकार, वैज्ञानिकों ने वनस्पतियों के साथ संचार के लिये एक उच्च तकनीकी प्रणाली विकसित की है, जो स्मार्ट फोन एप्लीकेशन का प्रयोग कर पौधों की निगरानी करने में सहायक है।
- यह तकनीक **फसलों को जलवायु परिवर्तन के खतरों का सामना करने में** उपयोगी हो सकती है। उल्लेखनीय है कि पौधों में रसायन, प्रकाश, गुरुत्वाकर्षण, आर्द्रता, तापमान, ऑक्सीजन स्तर के साथ-साथ परजीवी संक्रमण, ध्वनि और स्पर्श के प्रति प्रतिक्रिया करने की क्षमता होती है।
- विदित है कि वर्ष 2016 में 'मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी' की एक टीम ने पालक के पत्तों (Spinach Leaves) को सेंसर में बदल दिया था, जो भूजल में विस्फोटक सामग्री का पता लगाने पर ई-मेल अलर्ट भेज सकते हैं।

संस्कृति IAS

प्रथम एवं द्वितीय बैच फुल | तृतीय बैच में नामांकन जारी | 7428085757/58

13 APRIL 2021

PT CARD

संस्कृति IAS

आहार क्रांति मिशन (Aahaar Kranti Mission)

- **विज्ञान भारती** (विभा) और **ग्लोबल इंडियन साइंटिस्ट एंड टैक्नोक्रैट्स फोरम ने** मिलकर **'उत्तम आहार-उत्तम विचार'** के सिद्धांत **के साथ 'आहार क्रांति मिशन' प्रारंभ** किया है। इसका **लक्ष्य पोषक संतुलित आहार** और **स्थानीय फलों व सब्जियों की उपलब्धता के महत्त्व को समझना** है।
- 'आहार क्रांति मिशन' का **उद्देश्य भारत सहित विश्व में विद्यमान भुखमरी तथा विभिन्न बीमारियों का समाधान** खोजना है। अध्ययनों के अनुसार, भारत उपभोग से दोगुना अधिक कैलोरी का उत्पादन करता है, किंतु देश में अभी भी बहुत से लोग कुपोषित हैं। इसका मूल कारण समाज के सभी वर्गों में पोषण संबंधी जागरूकता का अभाव है।
- **संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2021 को 'अंतर्राष्ट्रीय फल एवं सब्जी वर्ष' घोषित** किया है। साथ ही, संयुक्त राष्ट्र का **सतत् विकास लक्ष्य-3 भी 'उत्तम स्वास्थ्य और खुशहाली'** (Good Health and Well Being) से संबंधित है, जिसका लक्ष्य सभी आयु वर्ग के लोगों में स्वास्थ्य सुरक्षा एवं स्वस्थ जीवन को बढ़ावा देना है। ध्यातव्य है कि आहार और कल्याण परस्पर पूरक हैं।
- इस मिशन के अंतर्गत **अध्यापकों को प्रशिक्षित किया जाएगा**, जो इस संदेश को विद्यार्थियों और उनके परिवारों और अंततः समाज तक पहुँचाने का कार्य करेंगे। उल्लेखनीय है कि इसी तरह की रणनीति पोलियो उन्मूलन के लिये भी अपनाई गई थी।

प्रथम एवं द्वितीय बैच फुल | तृतीय बैच में नामांकन जारी | 7428085757/58

14 APRIL 2021

PT CARD

संस्कृति IAS

ई-सांता (Electronic Solution for Augmenting NaCSA Farmers' Trade in Aquaculture – e-SANTA)

- **जलीय उत्पादों की खरीद-बिक्री हेतु एक्वाकल्चर वाले किसानों तथा क्रेताओं को एक साझा मंच उपलब्ध कराने** के उद्देश्य से वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने वर्चुअल ई-मार्केटप्लेस 'ई-सांता' पोर्टल लॉन्च किया है।
- इसके माध्यम से किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य मिल सकेगा और निर्यातक सीधे उनसे गुणवत्तायुक्त उत्पाद खरीद सकेंगे। यह जोखिमों को कम करने, उत्पादों एवं बाज़ार संबंधी जागरूकता का प्रसार करने तथा विक्रय प्रक्रियाओं को आसान बनाने में सहायक होगा।
- यह एक्वाकल्चर से जुड़े किसानों एवं निर्यातकों के मध्य नकदी-रहित, कागज-रहित तथा संपर्क रहित व्यापार को बढ़ावा देगा। साथ ही, **यह पोर्टल देश-विदेश में मछुआरों एवं क्रेताओं के मध्य एक सेतु के रूप में कार्य करेगा**, जिससे वैश्विक व्यापार में भी वृद्धि होगी।
- इस पोर्टल पर **किसान अपने उत्पादों को सूचीबद्ध करने तथा उनका मूल्य तय करने के लिये स्वतंत्र** होंगे। उत्पादों के सूचीकरण और ऑनलाइन बातचीत के आधार पर सौदा तय होने पर क्रेता द्वारा अग्रिम भुगतान किया जाएगा। भुगतान एन.ए.सी.एस.ए. द्वारा सत्यापित होने के बाद किसान को जारी किया जाएगा।
- विदित है कि नेशनल सेंटर फॉर सस्टेनेबल एक्वाकल्चर (NACSA) समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (MPEDA) की विस्तारित इकाई है, जो **वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत** आती है।

प्रथम एवं द्वितीय बैच फुल | तृतीय बैच में नामांकन जारी | 7428085757/58

15 APRIL 2021

PT CARD

संस्कृति IAS

मंकीडक्टाइल (Monkeydactyl)

- चीन के शोधकर्ताओं ने जुरासिक युग की टेरोसॉरस प्रजाति के एक ऐसे जीवाश्म की खोज की है, **जिसमें सम्मुख अँगूठे (Opposable Thumbs) पाए जाते हैं, यह लक्षण इसे अन्य प्रजातियों से अलग** करता है।

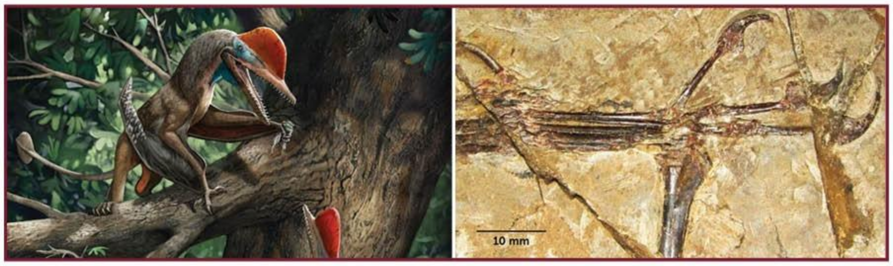

- यह जीवाश्म लगभग 160 मिलियन वर्ष पुराना है। इसे 'कुनपेंगोप्टेरस एंटीपॉलिकैटस' (Kunpengopterus Antipollicatus) नाम दिया गया है, **इसे 'मंकीडक्टाइल' भी कहा जाता** है।
- ग्रीक भाषा में 'एंटीपॉलिकैटस' का अर्थ है– 'सम्मुख अँगूठा'। इसका प्रयोग पेड़ पर चढ़ने अथवा पेड़ों की डालियों को पकड़ने के लिये किया जाता था, **जो कि वृक्षीय जीवन हेतु अनुकूलन** को दर्शाता है।
- टेरोसॉरस प्रजाति सरीसृप वर्ग के अंतर्गत आती है, जो कि डायनासोर से संबंधित है। कीटों के बाद ये पहले ऐसे जानवर हैं जो उड़ने में सक्षम हैं। यह आकार में अत्यंत बड़े (जेट विमान के आकार के) तथा अत्यंत छोटे भी हो सकते हैं।
- अनुसंधान दल ने एंटीपॉलिकैटस के **जीवाश्म को स्कैन करने के लिये 'सूक्ष्म-गणना टोमोग्राफी' (micro-CT) का उपयोग** किया। इस तकनीक में किसी वस्तु का चित्र बनाने के लिये एक्स-रे का उपयोग होता है।

प्रथम एवं द्वितीय बैच फुल | तृतीय बैच में नामांकन जारी | 7428085757/58